



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 01 नवंबर, 2026

जारी करने का समय: 1420 घंटे

विषय: (i) आज, 01 नवंबर 2026 को 1130 IST पर, एक गहन अवदाब और अधिक तीव्र होकर चक्रवाती तूफान 'मुरासु' (MURASU) में बदल गया है। यह बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य हिस्से में केंद्रित है। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने और 02 नवंबर की सुबह के आसपास बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य हिस्से में और अधिक तीव्र होकर एक प्रचण्ड चक्रवाती तूफान का रूप लेने की प्रबल संभावना है। इसके बाद, इसके उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने और 02 नवंबर की आधी रात (2330 IST) से 03 नवंबर, 2026 की तड़के (0400 IST) के बीच, नेल्लोर और नरसापुर के बीच दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तट को पार करने की प्रबल संभावना है। इस दौरान यह एक प्रचण्ड चक्रवाती तूफान के रूप में होगा, जिसमें हवा की गति 100 से 110 किमी प्रति घंटा होगी, और झोंकों के साथ यह गति 120 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।

(ii) उपरोक्त प्रणाली के प्रभाव के कारण, 2 और 3 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा और तेलंगाना में; 1 और 2 नवंबर को तमिलनाडु में; तथा 3 और 4 नवंबर को छत्तीसगढ़ और दक्षिणी ओडिशा में भारी से बहुत भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है। इसके अलावा, 2 और 3 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में, तथा 3 नवंबर, 2026 को तेलंगाना में कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश होने की भी संभावना है।

आज, 01 नवंबर, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में दर्ज किया गया मौसम:

❖ तमिलनाडु में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक I और II):

- ❖ दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और अंडमान व निकोबार द्वीप समूह तथा अंडमान सागर के आसपास के क्षेत्रों में कल मौजूद सुस्पष्ट निम्न दाब पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा और कल, 31 अक्टूबर 2026 को 1130 बजे IST पर उसी क्षेत्र में एक अवदाब में बदल गया। इसके बाद यह और आगे पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा और आज, 01 नवंबर 2026 को 0530 बजे IST पर दक्षिण-पूर्वी और उससे सटे दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के ऊपर, तथा 0830 बजे IST पर दक्षिण-पश्चिमी और उससे सटे दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक गहन अवदाब में तब्दील हो गया। पिछले 6 घंटों के दौरान 23 किमी प्रति घंटे की गति से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए, यह चक्रवाती तूफान "मुरासु" [उच्चारण: मुरासु] में बदल गया। आज, 01 नवंबर 2026 को 1130 बजे IST पर, यह दक्षिण-पश्चिमी और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर केंद्रित था। यह स्थान लगभग 12.1°N अक्षांश और 85.3°E देशांतर पर स्थित है, जो चेन्नई (तमिलनाडु) से लगभग 560 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व, विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) से 660 किमी दक्षिण-दक्षिण-पूर्व, नेल्लोर (आंध्र प्रदेश) से 630 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व, मछलीपट्टनम (आंध्र प्रदेश) से 640 किमी दक्षिण-पूर्व और ओंगोल (आंध्र प्रदेश) से 680 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व की दूरी पर है। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और 2 नवंबर की सुबह के आसपास पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक प्रचण्ड चक्रवाती तूफान में और अधिक तीव्र होने की प्रबल संभावना है। इसके बाद, इसके उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और 2 नवंबर की मध्यरात्रि (2330 बजे IST) से 3 नवंबर की तड़के (0400 बजे IST) के बीच, नेल्लोर और नरसापुर के बीच दक्षिण आंध्र प्रदेश के तट को पार करने की संभावना है। उस समय यह एक प्रचण्ड चक्रवाती तूफान के रूप में होगा, जिसमें हवा की गति 100 से 110 किमी प्रति घंटा होगी, जो झोंकों के साथ 120 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।
- ❖ वायुमंडल की निचली परतों में, दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश और उसके आसपास के क्षेत्रों में एक चक्रवाती मौजूद है।
- ❖ वायुमंडल की मध्य और ऊपरी परतों में एक पश्चिमी विक्षोभ मौजूद है, जो लगभग 20°N अक्षांश के उत्तर में 67°E देशांतर के साथ एक गर्त के रूप में बना हुआ है।

- ❖ वायुमंडल की निचली परतों में, दक्षिण-पूर्वी अरब सागर और उससे सटे लक्षद्वीप के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ वायुमंडल की निचली परतों में, अरुणाचल प्रदेश और उसके आसपास के क्षेत्रों में एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ वायुमंडल की निचली परतों में, पूर्वी-मध्य अरब सागर और उसके आसपास के क्षेत्रों में एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 1 से 7 नवंबर के दौरान केरल और माहे में; 5 से 7 नवंबर के दौरान लक्षद्वीप में; 2 से 5 नवंबर के दौरान तटीय कर्नाटक और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 3 से 5 नवंबर के दौरान उत्तर आंतरिक कर्नाटक में; 2 से 4 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 2 से 3 नवंबर के दौरान रायलसीमा में; और 3 से 4 नवंबर के दौरान तेलंगाना में काफी व्यापक से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 1 से 7 नवंबर के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 1 से 4 नवंबर के दौरान लक्षद्वीप में; 1 नवंबर को और 6 से 7 नवंबर के दौरान तटीय कर्नाटक और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 1 से 2 नवंबर और 6 से 7 नवंबर के दौरान उत्तर आंतरिक कर्नाटक में; 1 नवंबर को और 5 से 7 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 1 नवंबर को और 4 से 7 नवंबर के दौरान रायलसीमा में; तथा 1 से 2 नवंबर और 5 से 7 नवंबर के दौरान तेलंगाना में कहीं-कहीं (छिटपुट) बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2 से 3 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (80-90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक) चलने की संभावना है। इसके अलावा, 1 से 2 नवंबर के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 4 से 5 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 1 नवंबर और 4 नवंबर को रायलसीमा में; तथा 2 नवंबर को तेलंगाना में तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है। साथ ही, 1 से 5 नवंबर के दौरान तटीय कर्नाटक, केरल और माहे, उत्तर आंतरिक कर्नाटक और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; और 5 नवंबर को रायलसीमा में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है। तेलंगाना में 1 नवंबर को और 4-5 नवंबर के दौरान।
- ❖ 3-5 नवंबर के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कहीं-कहीं गरज के साथ बारिश और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 1-3 नवंबर के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 1-4 नवंबर के दौरान केरल और माहे में; 3 नवंबर को तटीय कर्नाटक में; 3-4 नवंबर के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 2-3 नवंबर के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 1 नवंबर और 4 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 4 नवंबर को तेलंगाना में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 1 और 2 नवंबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 2-3 नवंबर के दौरान रायलसीमा में; और 2 नवंबर को तेलंगाना में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2-3 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; और 3 नवंबर को तेलंगाना में कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 1 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; और 2-3 नवंबर के दौरान रायलसीमा में आंधी-तूफान (हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटा, जो झोंकों के साथ 80 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) आने की संभावना है।
- ❖ 3 नवंबर को तेलंगाना में आंधी-तूफान (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा, जो झोंकों के साथ 70 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) आने की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 3-5 नवंबर के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 1-5 नवंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में; 2-5 नवंबर के दौरान विदर्भ में; और 1-2 नवंबर तथा 5-7 नवंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं से लेकर कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 3-4 नवंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में काफी बड़े हिस्से से लेकर व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है। □ 3-4 नवंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार, जो 60 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है। इसके अलावा, 3-5 नवंबर के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में;

1 नवंबर और 3-5 नवंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में; तथा 3-4 नवंबर के दौरान विदर्भ में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार, जो 50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।

- ❖ 2 नवंबर को छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान आने और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 2 नवंबर को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि 3-4 नवंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश भी हो सकती है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 1-7 नवंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 1-4 नवंबर के दौरान झारखंड और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल व सिक्किम में; 1-3 नवंबर के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में; 1-2 नवंबर के दौरान बिहार में; तथा 1 नवंबर और 5-7 नवंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2-4 नवंबर के दौरान ओडिशा में काफी बड़े हिस्से में या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 1-2 नवंबर और 5 नवंबर को ओडिशा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार, जो 60 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ 2 नवंबर को ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि 3-4 नवंबर के दौरान दक्षिण ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश भी हो सकती है।
- ❖ 3-4 नवंबर के दौरान ओडिशा में आंधी-तूफान (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा, जो 70 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) आने की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 1-2 नवंबर और 5 नवंबर को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश होने की संभावना है। 1-2 नवंबर के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में।
- ❖ 1-2 नवंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 1 और 2 नवंबर को उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर हल्का से मध्यम कोहरा छाए रहने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 1 से 5 नवंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; और 1 से 7 नवंबर के दौरान असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2 नवंबर को अरुणाचल प्रदेश में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 1 से 5 नवंबर के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में; 1 से 3 नवंबर के दौरान गुजरात क्षेत्र में; और 1 नवंबर को सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2 से 3 नवंबर के दौरान कोंकण और गोवा में; 1 से 4 नवंबर के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; और 3 नवंबर को मराठवाड़ा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।

हवा को लेकर चेतावनी:

- ❖ दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी:

दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में तेज हवाएं चल रही हैं, जिनकी गति 55-65 किमी प्रति घंटा है और झोंकों के साथ यह 75 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है। 1 नवंबर की सुबह तक इसके और तेज होने की संभावना है, जिससे हवा की गति 65-75 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 85 किमी प्रति घंटा) तक पहुँच सकती है। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम होगी;

2 नवंबर की रात से हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 70 किमी प्रति घंटा) रह जाएगी और फिर धीरे-धीरे और कम होती जाएगी।

❖ दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी:

यहाँ अभी तेज़ हवाएं चल रही हैं, जिनकी गति 55-65 किमी प्रति घंटा है और झोंकों के साथ 75 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है। 1 नवंबर की सुबह तक इसके और तेज़ होने की संभावना है, जिससे हवा की गति 65-75 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 85 किमी प्रति घंटा) तक पहुँच सकती है। 1 नवंबर की शाम से लेकर 2 नवंबर की तड़के सुबह तक, इसके और तेज़ होकर 80-90 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 100 किमी प्रति घंटा) तक पहुँचने की संभावना है। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम होगी; 2 नवंबर की शाम से यह 50-60 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 70 किमी प्रति घंटा) और 3 नवंबर की सुबह तक 40-50 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा) रह जाएगी, जिसके बाद यह और कम हो जाएगी।

❖ पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी:

1 नवंबर की सुबह से यहाँ तेज़ हवाएं शुरू होने की संभावना है, जिनकी गति 40-50 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा) हो सकती है। 1 नवंबर की दोपहर तक इसके और तेज़ होकर 65-75 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 85 किमी प्रति घंटा) तक पहुँचने की संभावना है। 1 नवंबर की रात से हवा की गति 80-90 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 100 किमी प्रति घंटा), 2 नवंबर की सुबह से 90-100 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 110 किमी प्रति घंटा), और 2 नवंबर की आधी रात से 3 नवंबर की सुबह तक 100-110 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 120 किमी प्रति घंटा) तक पहुँच सकती है। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम होगी; 3 नवंबर की दोपहर तक यह 55-65 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 75 किमी/घंटा) और 3 नवंबर की आधी रात से अगले 6 घंटों के लिए 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा) रह जाएगी, और उसके बाद इसमें और सुधार आएगा।

❖ आंध्र प्रदेश के तट के पास और उससे दूर:

1 नवंबर की शाम से आंध्र प्रदेश, उत्तरी तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटों के पास और उनसे दूर 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा) की गति से तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। 2 नवंबर की दोपहर तक हवा की गति बढ़कर 65-75 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 85 किमी/घंटा) हो सकती है; 2 नवंबर की शाम से यह 80-90 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 100 किमी/घंटा) और 2 नवंबर की आधी रात से 3 नवंबर की दोपहर तक 100-110 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 120 किमी/घंटा) तक पहुँच सकती है। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम होगी; 3 नवंबर की दोपहर तक यह 55-65 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 75 किमी/घंटा) और 3 नवंबर की आधी रात से अगले 6 घंटों के लिए 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा) रह जाएगी, और उसके बाद और कम हो जाएगी।

❖ उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों के पास और उनसे दूर:

1 नवंबर की दोपहर से 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा) की गति से तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। 2 नवंबर की सुबह से हवा की गति 55-65 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 75 किमी/घंटा) हो सकती है, और 2 नवंबर की शाम से 3 नवंबर की सुबह तक यह 60-70 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 80 किमी/घंटा) तक पहुँच सकती है। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम होगी और 3 नवंबर की दोपहर से अगले 6 घंटों के लिए 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा) रह जाएगी।

❖ उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी से सटे इलाके और दक्षिणी ओडिशा तट के पास और उससे दूर:

2 नवंबर की सुबह से 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा) की गति से तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। 2 नवंबर की शाम से 3 नवंबर की दोपहर तक हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा रहने और झोंकों के साथ 70 किमी प्रति घंटा तक पहुँचने की संभावना है। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम होगी; 3 नवंबर की रात से 4 नवंबर की दोपहर तक यह 40-50 किमी प्रति घंटा रहेगी और झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है।

❖ तेलंगाना और रायलसीमा

यहाँ 2 नवंबर की दोपहर से तूफानी मौसम शुरू होने की संभावना है, जिसमें हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा तक) रहेगी। 2 नवंबर की आधी रात से यह गति 55-65 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 75 किमी प्रति घंटा तक) हो जाएगी, और 3 नवंबर की सुबह से दोपहर तक 70-80 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 90 किमी प्रति घंटा तक) पहुँच सकती है। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम होगी और 3 नवंबर की आधी रात से अगले 6 घंटों तक 40-50 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा तक) रहेगी।

समुद्र की स्थिति:

❖ दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी

दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में समुद्र की स्थिति अभी बहुत खराब से लेकर काफी खराब (rough to high) बनी हुई है। 1 नवंबर की सुबह तक इसके और खराब होने और 'काफी खराब' (high) स्तर तक पहुँचने की संभावना है। इसके बाद स्थिति धीरे-धीरे सुधरेगी; 2 नवंबर की रात से 3 नवंबर की सुबह तक यह 'बहुत खराब से खराब' (very rough to rough) रहेगी और उसके बाद इसमें और सुधार आएगा।

❖ दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी:

1 नवंबर की सुबह से 2 नवंबर की सुबह तक समुद्र की स्थिति 'बहुत खराब से काफी खराब' (very rough to high) रहने की संभावना है। इसके बाद स्थिति धीरे-धीरे सुधरेगी और 2 नवंबर की दोपहर से 3 नवंबर की सुबह तक यह 'बहुत खराब से खराब' (very rough to rough) रहेगी।

❖ पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी:

1 नवंबर की सुबह से समुद्र की स्थिति 'खराब से बहुत खराब' (rough to very rough) रहने की संभावना है। 1 नवंबर की दोपहर से इसके और खराब होकर 'बहुत खराब से काफी खराब' (very rough to high) होने की प्रबल संभावना है। 2 नवंबर की सुबह से 3 नवंबर की दोपहर तक यह 'काफी खराब से बहुत खराब' (high to very high) स्तर तक पहुँच सकती है। इसके बाद स्थिति में सुधार आना शुरू होगा; 4 नवंबर की सुबह तक यह 'बहुत खराब से खराब' (very rough to rough) हो जाएगी और उसके बाद और बेहतर होती जाएगी।

❖ आंध्र प्रदेश के तट के पास और उससे दूर: 1 नवंबर की शाम से समुद्र की स्थिति 'खराब से बहुत खराब' (rough to very rough) रहने की संभावना है। इसके बाद स्थिति और खराब हो सकती है; 1 नवंबर की आधी रात से यह 'काफी खराब' (high) हो जाएगी, और 2 नवंबर की सुबह से 3 नवंबर की दोपहर तक 'काफी खराब से बहुत खराब' (high to very high) स्तर तक पहुँच सकती है। इसके बाद स्थिति में सुधार आना शुरू होगा; 4 नवंबर की दोपहर तक यह 'बहुत खराब से खराब' (very rough to rough) हो जाएगी और उसके बाद और बेहतर होती जाएगी।

❖ उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी तट के पास और उससे दूर:

1 नवंबर की दोपहर से 4 नवंबर की सुबह तक समुद्र की स्थिति 'खराब से बहुत खराब' (rough to very rough) रहने की संभावना है। इसके बाद स्थिति धीरे-धीरे सुधरेगी।

❖ उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के आसपास के क्षेत्र और दक्षिणी ओडिशा तट के पास और उससे दूर:

2 नवंबर की शाम से 4 नवंबर की दोपहर तक समुद्र की स्थिति 'खराब से बहुत खराब' (rough to very rough) रहने की संभावना है, जिसके बाद इसमें सुधार आएगा।

तूफानी लहरों की चेतावनी: (अनुलग्नक III)

- ❖ तूफान के तट से टकराने (लैंडफॉल) के समय, खगोलीय ज्वार (astronomical tide) के स्तर से लगभग 1.0 मीटर ऊँची तूफानी लहरें (storm surge) उठ सकती हैं, जिससे दक्षिणी तटीय आंध्र प्रदेश के निचले इलाकों में पानी भर सकता है। बापटला, कृष्णा और प्रकाशम जिलों में सबसे अधिक समुद्री लहरें (surge) उठने की आशंका है।

मछुआरों के लिए चेतावनी: (अनुलग्नक IV)

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे इन इलाकों में न जाएं:

- ❖ 1 और 2 नवंबर को दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में,
- ❖ 4 नवंबर की सुबह तक दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में,
- ❖ 4 नवंबर की दोपहर तक पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में,
- ❖ 2 नवंबर की सुबह से 4 नवंबर की दोपहर तक आंध्र प्रदेश के तट के पास और उससे लगे इलाकों में,
- ❖ 4 नवंबर की सुबह तक उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी के तटों के पास और उससे लगे इलाकों में,
- ❖ 2 नवंबर की शाम से 4 नवंबर की दोपहर तक उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के आस-पास के क्षेत्रों और दक्षिणी ओडिशा के तट के पास और उससे लगे इलाकों में।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक V देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

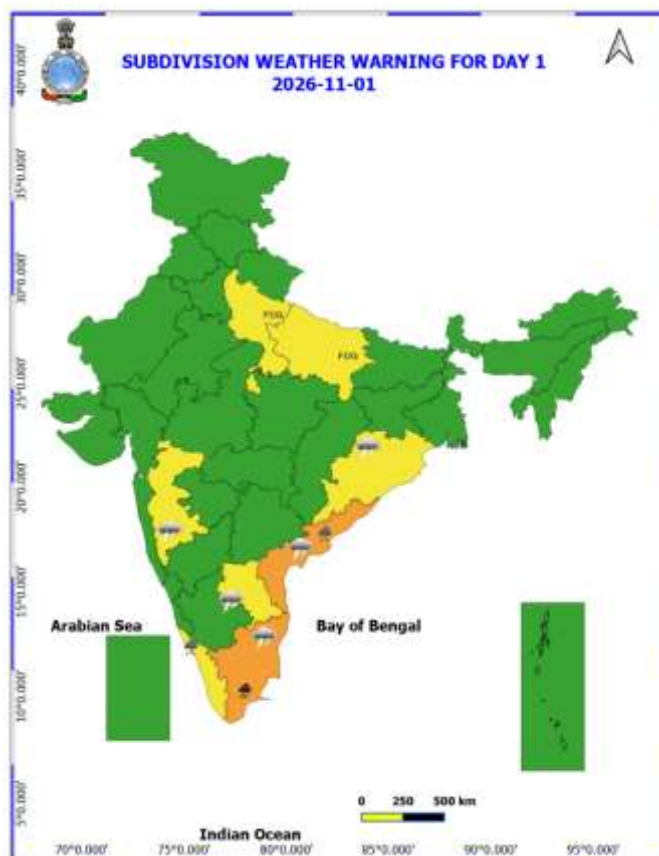
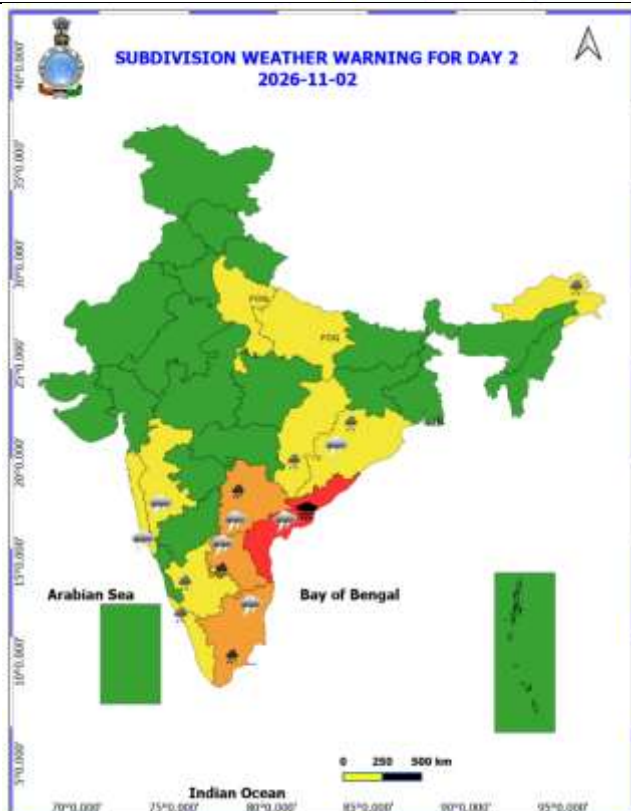
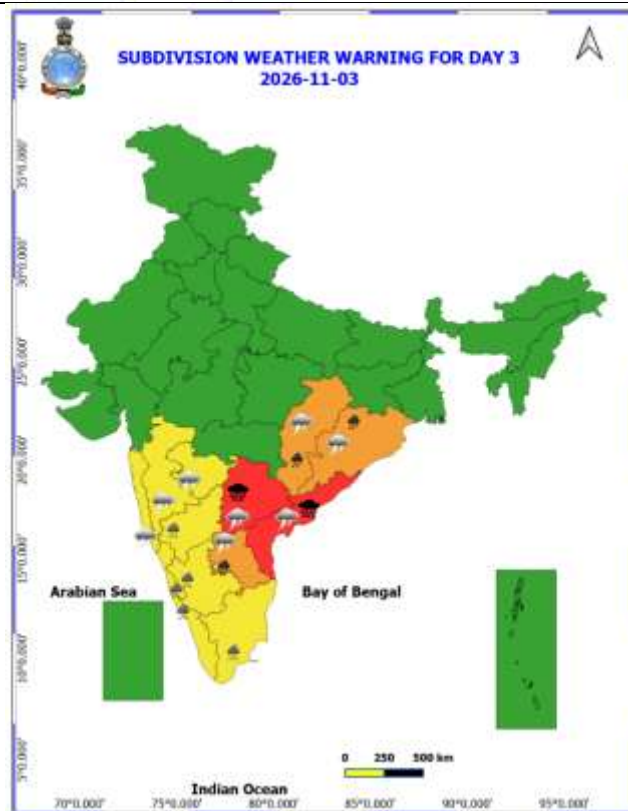
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

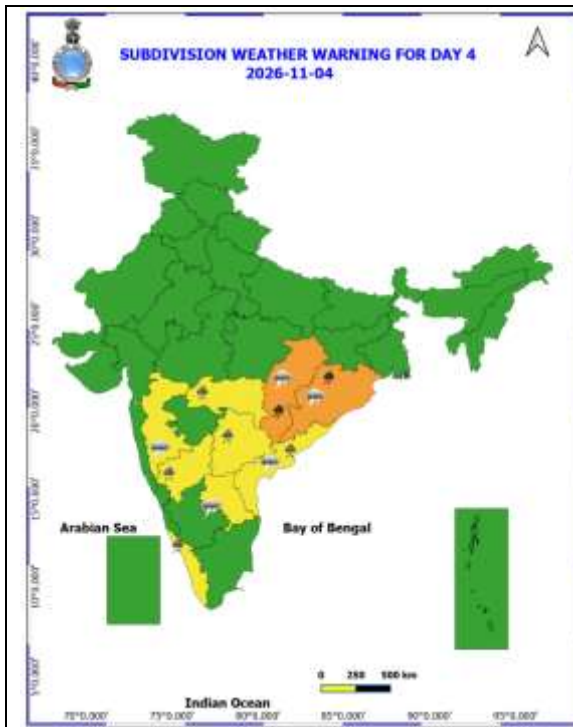
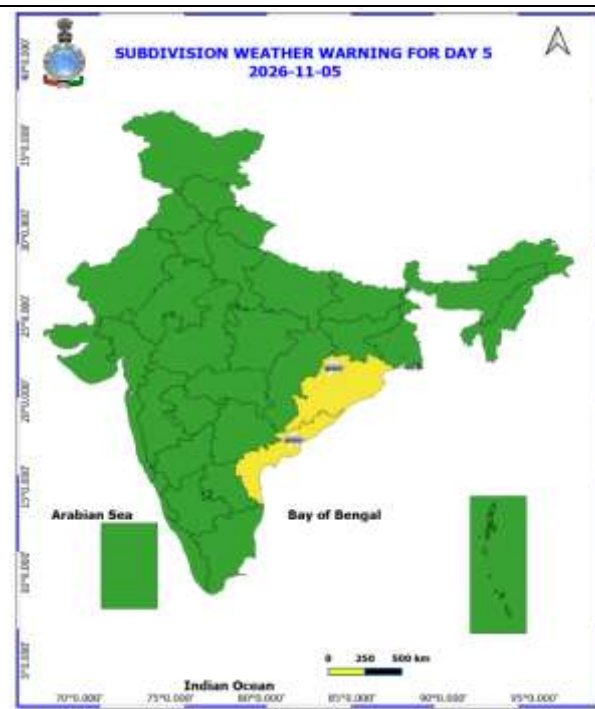
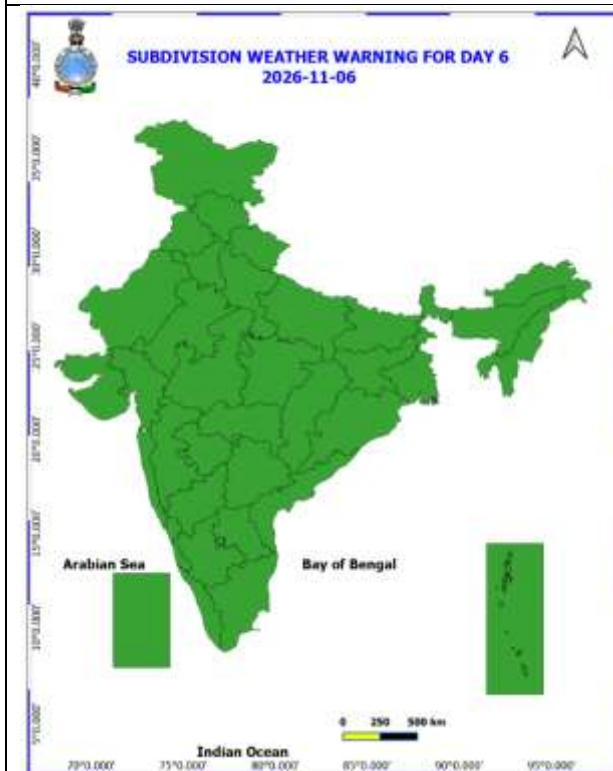
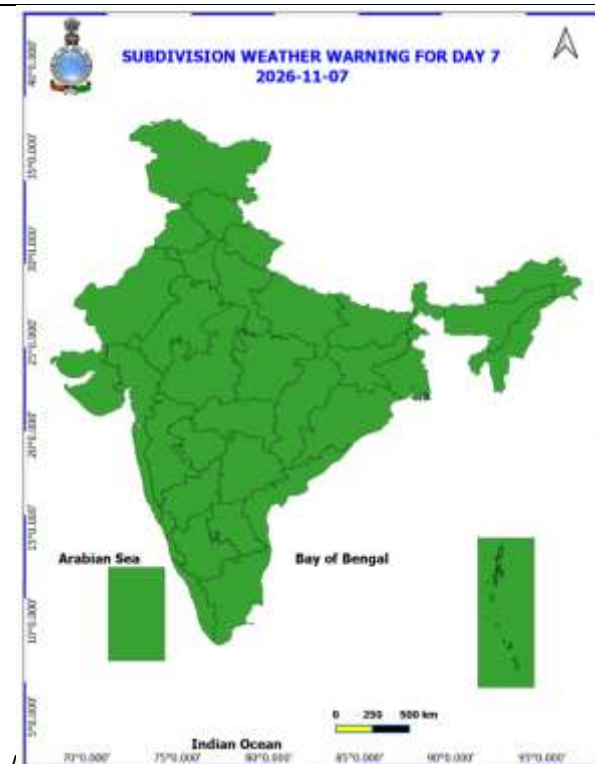
सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 cm) (कल 0830 बजे IST से आज 0830 बजे IST तक अलग-अलग मौसम विभाग में) दर्ज की गई:

- ❖ तमिलनाडु: कुन्नूर पीटीओ (नीलगिरी) 7।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	1- Nov	2- Nov	3- Nov	4- Nov	5- Nov	6- Nov	7- Nov
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	ISOL	SCT	FWS	FWS	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	FWS	FWS	FWS	FWS	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

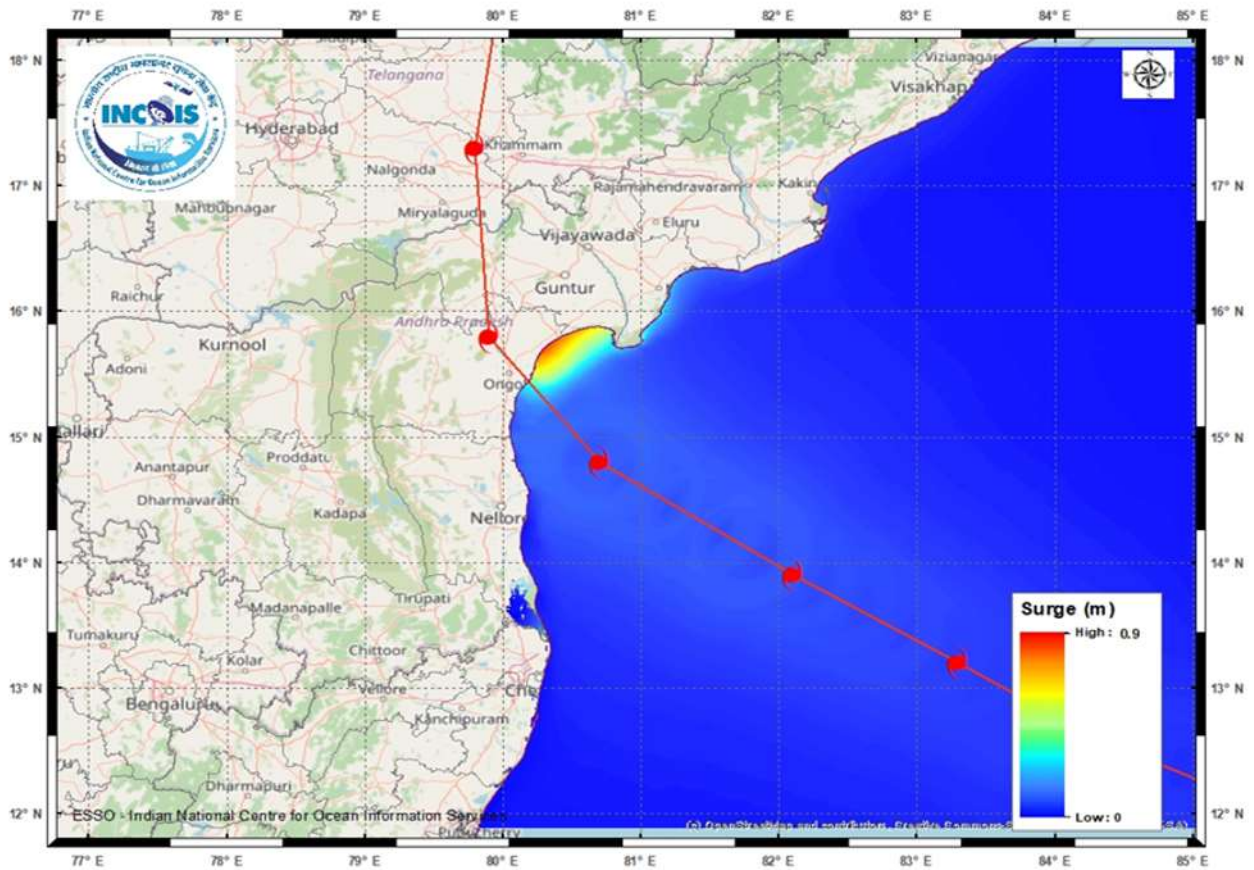




- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>



Fishermen Warning Graphics

Day 1: 01.11.2026 11:30 AM to 02.11.2026 05:30 AM



Day 2: 02.11.2026 05:30 AM to 03.11.2026 05:30 AM



Day 3: 03.11.2026 05:30 AM to 04.11.2026 05:30 AM



Day 4: 04.11.2026 05:30 AM to 05.11.2026 05:30 AM



Day 5: 05.11.2026 05:30 AM to 06.11.2026 05:30 AM



Legend

Squally Weather with wind speed 35-45 kmph gusting to 55 kmph	Squally wind with speed 55-65 kmph gusting to 75 kmph
Squally Weather with wind speed 40-50 kmph gusting to 60 kmph	CS with Gale winds with speed 60-80 kmph gusting to 90 kmph
Squally Weather with wind speed 45-55 kmph gusting to 65 kmph	SCS with Gale wind speed 90-110 kmph gusting to 120 kmph
Squally wind with speed 45-55 kmph gusting to 65 kmph	VSCS with Gale wind speed 120-165 kmph gusting to 185 kmph
Squally wind with speed 50-60 kmph gusting to 70 kmph	ESCS with Gale wind speed 165-220 kmph gusting to 245 kmph

Fishermen are advised not to venture into the marked areas.

01 नवंबर से 04 नवंबर 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछले 24 घंटों का मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान में $5-7^{\circ}\text{C}$ और न्यूनतम तापमान में $1-2^{\circ}\text{C}$ की वृद्धि हुई है। इस दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान $26-28^{\circ}\text{C}$ और न्यूनतम तापमान $17-18^{\circ}\text{C}$ के बीच दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटों में दिल्ली के कई इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.6°C से 3.0°C अधिक रहा, जबकि बाकी हिस्सों में यह सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के दायरे में रहा। दिल्ली के कुछ इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-5.1°C या उससे कम) रहा, और कई अन्य जगहों पर यह सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और पश्चिम दिशा से 16 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलीं। आज सुबह के समय भी आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और पश्चिम दिशा से 12 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलीं।

मौसम का पूर्वानुमान:

01.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान $27-29^{\circ}\text{C}$ के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से हवाएं चलने की संभावना है, जिनकी गति 15 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 10 किमी प्रति घंटे तक रह सकती है, और हवाएं उत्तर-पश्चिम दिशा से ही चलेंगी।

02.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 28°C से 30°C और न्यूनतम तापमान 16°C से 18°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान ज्यादातर जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहने की संभावना है। सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति बढ़कर 15 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 10 किमी प्रति घंटा तक रह सकती है।

03.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 28°C से 30°C और न्यूनतम तापमान 15°C से 17°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहने की संभावना है। सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति बढ़कर 15 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 10 किमी प्रति घंटा तक रह सकती है।

04.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 27°C से 29°C और न्यूनतम तापमान 15°C से 17°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान ज्यादातर जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहने की संभावना है। सुबह के समय हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति 10 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति बढ़कर 20 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। शाम और रात के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति कम होकर 10 किमी प्रति घंटे तक रह जाएगी।

अत्यधिक/ बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 2-3 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; और 3 नवंबर को तेलंगाना में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ इसके अलावा, 1 और 2 नवंबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 2-3 नवंबर के दौरान रायलसीमा में; 2 नवंबर को तेलंगाना में; और 3-4 नवंबर के दौरान छत्तीसगढ़ और ओडिशा में भी कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियाँ टूट सकती हैं और केले, पपीते, सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटे जहाज़, ट्रॉलर और नावें प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएँ प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे आश्रय न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकलें और बिजली का संचालन करने वाली सभी चीज़ों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- ❖ तट के पास और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाना चाहिए।

भारी बारिश की संभावना को देखते हुए कृषि-मौसम सलाह

- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश में, धान, मूंगफली, कपास, अरहर, गन्ना, मक्का, सब्जियों, केले और पपीते के खेतों में जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी की व्यवस्था करें। बारिश रुकने के बाद गिरे हुए धान और सब्जियों के पौधों को सीधा करें, और गिरे हुए गन्ने को ऊपर उठाकर बांध दें। तैयार मूंगफली की कटाई करें और कटी हुई फसल को सुरक्षित रखें। रबी मक्का, मूंग, उड़द, कुलथी और सनई की बुवाई तब तक न करें, जब तक कि मिट्टी में नमी की मात्रा सही न हो जाए। केले और पपीते के पौधों को सहारा दें, और छोटे पौधों व सब्जियों को खूंटे (स्टेक) लगाकर सहारा दें।
- ❖ यलसीमा में, खड़ी फसलों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। बारिश के दौरान सिंचाई न करें, खाद न डालें और कीटनाशकों का छिड़काव न करें। चना और अन्य फसलों की बुवाई को अभी टाल दें।
- ❖ छत्तीसगढ़ में, धान, मूंगफली, तिल, सब्जियों, मक्का और दालों की तैयार फसलों में जलभराव रोकने के लिए जल निकासी की अच्छी व्यवस्था करें। बारिश के दौरान धान और छोटे मोटे अनाजों (मिलेट्स) की कटाई, सुखाने और मड़ाई (थ्रेशिंग) का काम टाल दें; मौसम और खेत की स्थिति ठीक होने पर ही ये काम करें। कटी हुई फसल को सुरक्षित और ढकी हुई जगह पर रखें। फलों और सब्जियों की नर्सरी को पॉलीथीन शीट या तिरपाल से ढक दें। सर्दियों की सब्जियों की नई बुवाई और रोपाई तब तक न करें, जब तक बारिश रुक न जाए और मिट्टी की स्थिति सही न हो जाए। बेल वाली फसलों को खूंटे लगाकर सहारा दें और छोटे पौधों को भी सहारा दें।

- ❖ ओडिशा में, धान, मक्का, मूंगफली, दालों, कपास, गन्ने, सब्जियों और फलों के बागों से अतिरिक्त पानी निकाल दें, खासकर निचले इलाकों के खेतों से। अगर धान की फसल गिर गई है, तो बालियों को बांधकर सीधा कर दें (पानी कम होने के बाद)। तैयार फसलों की कटाई तभी करें जब खेत काम करने लायक हो जाएं, और कटी हुई फसल को बारिश से बचाएं। केले और पपीते के पौधों को सहारा दें, गन्ने को गिरने से बचाने के लिए सहारा लगाएं, और सब्जियों व छोटे फलों के पौधों को खूंटे लगाकर सहारा दें।
- ❖ तमिलनाडु में, धान और केले के खेतों से पानी निकालें और केले के पौधों को सहारा दें। तैयार धान और मूंगफली की कटाई मौसम साफ होने पर करें और कटी हुई फसल को सुरक्षित व ढकी हुई जगह पर रखें।
- ❖ केरल में, खड़ी फसलों वाले खेतों से पानी निकालने की उचित व्यवस्था करें। रबी धान की रोपाई तभी करें जब खेत की स्थिति सही हो। केले की रोपाई के लिए ऐसे गड्ढे तैयार करें जिनमें पानी जमा न हो (अच्छी जल निकासी वाले गड्ढे)। केले और पपीते के बागानों को सहारा दें, और जहाँ जरूरत हो, वहाँ छोटे पौधों और सब्जियों को खूंटे से बांधकर सहारा दें, ताकि तेज़ हवाओं से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।
- ❖ दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में, धान, अदरक और अन्य खड़ी फसलों के खेतों में पानी की निकासी का उचित प्रबंध करें। बारिश के दौरान फसल की कटाई, सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े कामों को टाल दें। केले और पपीते के बागानों को सहारा दें, और तेज़ हवाओं वाले इलाकों में छोटे पौधों और सब्जियों को खूंटे से बांधकर सहारा दें।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि-मौसम सलाह

- ❖ कटी हुई फसल को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या खेतों में ही तिरपाल से ढक दें। तेज़ ज़मीनी हवाओं से फसल के उड़ने या बिखरने के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसल को मज़बूती से बांधें और ढककर रखें।
- ❖ तेज़ हवाओं के कारण फसल को गिरने से बचाने के लिए बागवानी फसलों को यांत्रिक सहारा दें और सब्जियों व छोटे फलों के पौधों को सहारा (स्टेकिंग) दें।

पशुधन / पोल्ट्री / मत्स्य पालन पर भारी बारिश के संभावित असर के लिए सलाह

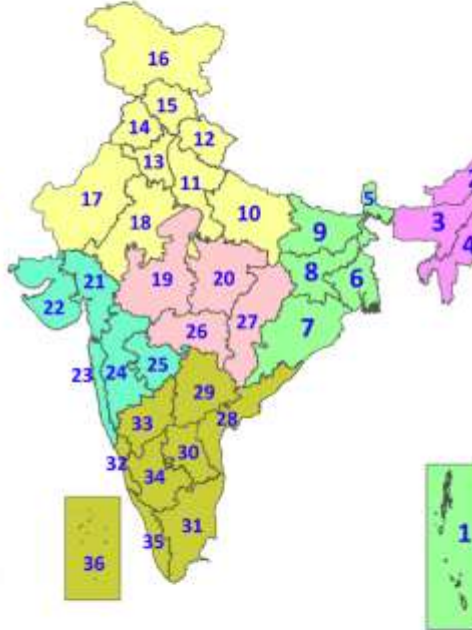
- ❖ भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- ❖ चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।
- ❖ तालाबों के चारों ओर जाली के साथ पानी निकालने का रास्ता (आउटलेट) बनाएं ताकि अतिरिक्त पानी निकल सके और पानी ओवरफ़्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल पाएं।

संकेत और संक्षिप्त नाम:

- ❖ भारी बारिश: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4 मिमी।
- ❖ Obsy: वेधशाला (Observatory); Automatic Weather Station; ARG: Automatic Rain Gauge; dist: ज़िला; NH: नेशनल हाईवे; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर वैली कॉर्पोरेशन; PTO: पार्ट टाइम ऑफिस; Aero: एयरोड्रोम; IAF: भारतीय वायु सेना।
- ❖ मौसम संबंधी उप-विभागों का क्षेत्र-वार वर्गीकरण:
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- ❖ मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- ❖ पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गांगेय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- ❖ उत्तर-पूर्व भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा।
- ❖ पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, तटीय महाराष्ट्र (कोंकण) और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- ❖ दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Heavy Snow

Dust Storm

Heat Wave

Warm Night

Hot Day

Hot & Humid

Strong Surface Winds



Cold Wave

Cold Day

Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *	<p>Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *</p> <p>Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm *</p> <p>Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *</p>
Heat Wave	<p>When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions</p> <p>(a) Based on Departure from normal</p> <p>Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C.</p> <p>Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$</p> <p>(b). Based on Actual maximum temperature</p> <p>Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.</p> <p>Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$</p> <p>(c). Criteria for heat wave for coastal stations</p> <p>When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$</p>
Warm Night	<p>When maximum temperature remains 40°C</p> <p>Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C.</p> <p>Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.</p>
Cold Wave	<p>When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.</p> <p>(a). Based on departure</p> <p>Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C.</p> <p>Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$</p> <p>(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)</p> <p>Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$</p> <p>Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$</p> <p>(c) For Coastal Stations</p> <p>When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$</p>
Cold Day	<p>When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions</p> <p>Based on departure</p> <p>Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C.</p> <p>Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$</p>
Fog	<p>Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$</p> <p>Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres</p> <p>Dense Fog: when the visibility between 50-200 metres</p> <p>Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres</p>
Thunderstorm	Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)
Dust/Sand Storm	An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.
Frost	<p>Ice deposits on ground</p> <p>Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)</p>
Squall	<p>A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.</p> <p>Moderate: Wind speed 52-61 kmph</p> <p>Severe: Wind speed 62-87 kmph</p> <p>Very Severe: Wind speed > 87 kmph</p>
Sea State	<p>Effect of various waves in the sea over specific area</p> <p>Rough to very rough: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre</p> <p>High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre</p> <p>Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre</p>
Cyclone	<p>Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)</p> <p>Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)</p> <p>Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)</p> <p>Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)</p> <p>Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)</p>

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)

